उसभाध्यक्ष (प्रो. एम.वी. राजीव गौडा): प्रश्न संख्या 243, श्री अनिल देसाई।

Conservation of forts in Maharashtra

*243. SHRI ANIL DESAI: Will the Minister of CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are a large number of ancient forts constructed by Chhatrapati Shivaji Maharaj and other kings in Maharashtra;

(b) if so, the details of the forts and their locations;

(c) whether all these forts are under the care of Archaeological Survey of India (ASI); and

(d) whether any renovation and conservation is required in these ancient forts, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CULTURE (SHRI PRAHLAD SINGH PATEL): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) There are 286 monuments/sites including forts declared as of national importance in Maharashtra under the protection of Archaeological Survey of India out of which the forts associated with Chhatrapati Shivaji Maharaj included as monument of national importance from the State of Maharashtra and under protection of Archaeological Survey of India is given in Annexure (*See* below).

(d) The conservation work of protected monuments including forts in Maharashtra is a continuous process and attended to regularly by the Archaeological Survey of India as per the availability of resources.

Annexure

List of forts associated with Chhatrapati Shivaji Maharaj within the jurisdiction/ protection of Archaeological Survey of India in Maharashtra

Sl. No.	Name of Fort/ Monument	Locality	District
1	2	3	4
1.	Panhala Fort	Panhala	Kolapur

1	2	3	4
2.	Shivneri Fort	Junnar	Pune
3.	Lohgad Fort	Lohgad	Pune
4.	Rajmachi Fort	Rajmachi	Pune
5.	Suvarana Durg	Dapoli	Ratnagiri
6.	Sindhudurg	Malvan	Sindhudurg
7.	Vijaydurg	Vijaydurg	Sindhudurg
8.	Mahuli Fort	Mahuli	Thane
9.	Arnala Fort	Vasai	Thane
10.	Alibag (Kolaba) Fort	Alibag	Raigad
11.	Birwadi Fort	Birwadi	Roha
12.	Ghosalgad Fort	Roha	Raigad
13.	Avchitgad Fort	Medhe/Roha	Raigad
14.	Raigad Fort	Mahad	Raigad
15.	Tala Fort	Mangaon	Raigad
16.	Kangori Fort	Kangori	Raigad

SHRI ANIL DESAI: Sir, the hon. Minister has given a very brief answer to the question which I had asked. Anyway, Sir, the State Government of Maharashtra has been performing its duty and responsibility towards the upkeep or restoration or conservation of the ancient forts which are associated with Chhatrapati Shivaji Maharaj but it certainly needs more and effective support from the Centre. May I know from the hon. Minister, through you, what efforts are being made by the Archaeological Survey of India in creating much-needed infrastructure like approachable roads, ropeways and other basic facilities like drinking water, toilets and recreation for the tourists who visit these forts?

श्री प्रहलाद सिंह पटेल: माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को जो उत्तर दिया गया है, उसमें स्पष्ट है कि महाराष्ट्र में जो कुल किलों की संख्या है, वह 50 है और जो छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े हुए किले हैं, वे 16 हैं। वे सब ASI के monuments हैं। उनमें से 10 पर बाकायदा लगातार काम हो रहा है। जिसका उल्लेख माननीय सदस्य कर रहे हैं, ऐसे 10 किलों के संबंध में राज्य सरकार के साथ ASI का MoU हुआ है। निरन्तर तौर पर ASI

एक वर्ष में लगभग 19 से 20 करोड़ रुपया खर्च करता है। जहां तक माननीय सदस्य ने सवाल पूछा है, नयी कार्य की योजना की बात है, तो रायगढ़ के किले को सैद्धांतिक रुप से light and sound के लिए चिन्हित किया गया है।

SHRI ANIL DESAI: Sir, in part 'd' of the answer, the hon. Minister has said that it is a continuous process and attended to regularly by the Archaeological Survey of India as per the availability of resources. May I know from the hon. Minister, through you, the outlay in the current Budget that has been marked towards conservation, maintenance of these forts in Maharashtra as the condition of some of these forts is too bad to attract tourists in large numbers?

श्री प्रहलाद सिंह पटेल: माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं कुछ किलों के नाम माननीय सदस्य के ध्यान में लाता हूं, जिन पर लगातार काम चल रहा है। इनमें से एक किला रायगढ़ का किला है, जिस पर राज्य सरकार ने भी 11 करोड़ रुपए दिए हैं। इसके अतिरिक्त पन्हाला, शिवनेरी, लोहगढ़, राजमाची, सुवर्णा, सिंधुदुर्ग, विजयदुर्ग, अरनाला और अलीबाग किला - ये ऐसे किले हैं, जिन पर ASI लगातार काम कर रहा है। अगर माननीय सदस्य चाहेंगे तो मैं उन्हें वे details भी दे दूंगा कि कौन-कौन से काम इन किलों पर हुए हैं।

उपसभाध्यक्ष (प्रो. एम.वी. राजीव गौडा): माननीय सदस्य बजट के बारे में पूछ रहे थे। श्री संजय सेठ।

श्री संजय सेठ: महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो ASI के स्मारक शहर के बीच में आ चुके हैं और जिनका कोई महत्व नहीं है - कोई ब्रिटिश ज़माने की cemeteries हैं, या ऐसी जगहें हैं - क्या उनको फिर से सर्वे कराकर हटाने का कोई विचार है क्योंकि उनसे विकास बाधित हो रहा है?

श्री प्रहलाद सिंह पटेल: उपसभाध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय सदस्य का यह सवाल इस प्रश्न से संबंधित नहीं है, लेकिन मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए आपके माध्यम से सदन के समक्ष यह बात कहना चाहता हूं कि वास्तव में classification तो ASI के monuments में है। जब ASI ने अपनी सूची बनाई होगी, तब वे जगहें महत्वपूर्ण श्रेणियों में होंगी, उस समय उनके चारों तरफ आबादी नहीं होगी, लेकिन classification को बदलने जैसा कोई प्लान सरकार का नहीं है। यह बात जरूर है कि हम उसे priority list में जरूर categorize करना चाहते हैं ताकि कभी राज्य सरकार और भारत सरकार, दोनों मिलकर यदि कोई स्मार्ट सिटी का मामला हो तो उसे देख सकें, लेकिन जो सौ मीटर की रेंज है, उसमें तो सरकार भी नहीं कर सकती है, इसलिए denotify करने के संबंध में सरकार काम कर रही है और इस संबंध में जब कोई निर्णय होगा तो मैं सदन को उसके बारे में अवगत कराऊंगा।

DR. AMAR PATNAIK: Sir, there are a number of sites and monuments of historical significance but are not yet identified by the Archaeological Survey of India as protected sites. What is the protocol for identification of monuments that need to be protected and how is their work monitored? And are they doing a good job or not, considering particularly the recent lapses at the Jagannath Temple at Puri and the Sun Temple at Konark.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल: उपसभाध्यक्ष जी, यह सूची राज्य की सहमतियों से ही बनती है। बहुत सारे राज्य ऐसे हैं, जिनके पास हजारों वर्ष पुराने किले और स्मारक हैं, लेकिन वे राज्य की सूची में रखे हुए हैं, वे उन्हें एएसआई को नहीं देते हैं। मैं इसका एक उदाहरण तमिलनाडु का दूंगा। मुझे लगता है कि एएसआई के पास जो सूची है, सरकार मानती है कि उसको बढ़ना चाहिए और नए सिरे से पंजीयन का काम सरकार प्रारंभ कर रही है। कल्चरल मैपिंग के इस काम में हम एएसआई के मॉन्युमेंट्स की संख्या बढ़ाने पर भी विचार कर रहे हैं।

श्री हुसैन दलवई: सर, श्री अनिल देसाई जी ने जो सवाल पूछा है, मैं उसके बारे में यह पूछना चाहता हूं कि यहां बड़े पैमाने पर किले हैं और इनका लोगों में बड़ा आकर्षण है, तो वहां हैरिटेज टूरिज़्म के लिए क्या गवर्नमेंट ऑफ इंडिया कुछ प्रयास करेगी?

श्री प्रहलाद सिंह पटेल: उपसभाध्यक्ष जी, जहां तक छत्रपति शिवाजी महाराज के किले हैं, वे वैसे भी बड़े फुटफॉल वाले स्थान हैं। वहां पर हैरिटेज टूरिज़्म की जो बात है, मैंने आपके सामने राज्य सरकार से एमओयू का जिक्र भी किया है। हमने राज्य सरकार से मिलकर भी दस स्मारकों पर एमओयू साइन किए हैं। उसमें जो भी और बेहतर जन सुविधाओं या कनेक्टिविटी की बातें आएंगी, उनको पूरा करेंगे।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. M.V. RAJEEV GOWDA): Question No. 244.

ताप और जल विद्युत संयंत्रों से विद्युत का उत्पादन

*244. **श्री लाल सिंह वड़ोदिया**: क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की तारीख में जल विद्युत केन्द्रों द्वारा कितनी मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाता है;

(ख) ताप विद्युत केन्द्रों द्वारा कितनी मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाता है; और

(ग) जल विद्युत केन्द्रों द्वारा विद्युत उत्पादन की प्रति इकाई लागत और ताप विद्युत केन्द्रों द्वारा विद्युत उत्पादन की प्रति इकाई लागत कितनी आती है?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राज कुमार सिंह): (क) से (ग) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।